

आरती जाहर वीर जी की

जय जय जाहर वीर हरे जय जय गोगा वीर हरे
धरती पर आकर के भक्तों के दुःख दूर करे, जय...
जो कोई भक्ति करे प्रेम से हांजी करे प्रेम से
भागे दुःख परे विघ्न हरे
मंगल के दाता, तन का कष्ट हरे
जेवर राव के पुत्र कहाये रानी बाछल माता
बागड़ जन्म लिया वीर ने जय जयकार करे, जय...
धर्म की बेल बढ़ाई निशादिन तपस्या रोज करे
दुष्टजनों को दण्ड दिया जग में रहे आप खरे, जय...
सत्य अहिंसा का व्रत धारा झूठ से आप डरे
वचन भंग को बुरा समझकर घर से आप सभी करे
चारों दिशा से भक्त आ रहे आशा लिये उतरे, जय...
भवन पधारो अटल क्षत्र कह भक्तों की सेवा करे
प्रेम से सेवा करे जो कोई धन के भण्डार भरे, जय...
तन मन धन अर्पण करके भक्ति प्राप्त करे
भादों कृष्ण नौमी के दिन पूजन भक्ति करे, जय...

विवरण

जिन्होंने इस पृथ्वी पर अवतार लेकर अपने भक्तों को सर्व दुःख से मुक्त कर दिया, ऐसे जाहर वीर एवं गोगा वीर की हम जय-जयकार करते हैं। श्रद्धापूर्वक जो इनकी पूजा भक्ति करता है, उसको सभी विपदाएँ एवं क्लेश उससे दूर चले जाते हैं।

आप सर्वदा मंगल करने वाले हो तथा हमें निरोग बनाने वाले हो। आपके पिता जेवर राय थे तथा रानी बाछल आपकी माता थीं।

आप बागड़ वीर ने जन्म लेकर अपने चारों तरफ जय-जयकार की ध्वनि

फैला दी। आपने धर्म का प्रचार किया तथा आप नित्य रूप से तपस्या करने लगे ।

आपने पापी जनों को उनके कर्म के अनुसार दण्ड देकर इस जग में सही सलामत रूप से खरे उतरे ।

आपने सत्य अहिंसा (सही प्रकार से किसी को छोटी सी भी तकलीफ न पहुँचाना) के व्रत का नियम धर्म से पालन कर झूठ से कोसों दूर रहे । आपका पहाड़ों पर जाकर तपस्या करना देखकर सभी आप पर आश्चर्य करने लगे ।

अपने मन में आशा की किरण लेकर, चारों दिशाओं से आपके भक्त आपके दरबार में आ रहे हैं । हे दृढ़ क्षत्र वाले ! आप अपने दरबार में आइये, ऐसा कह कर

आपके भक्त गण आपकी सेवा कर रहे हैं । जो आपकी स्नेह पूर्वक प्रेम में लीन होकर आपकी सेवा करता है, उसे आप धन-सम्पत्ति से भर देते हैं । हम अपना तन, मन एवं धन सब आप पर न्योछावर करके आपकी भक्ति को पाना चाहते हैं ।

भाद्रपद मास में कृष्ण पक्ष के नवमी के दिन आपकी विशेष रूप से पूजा की जाती है । हम आपकी जय-जयकार कर रहे हैं ।